अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 21.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–निर्जरा बंध मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

निर्जरा–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) सविचार मारणांतिक अनशन किसे कहते हैं?

(ख) वचन योग प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं?

(ग) तीन निर्मल भाव कौन से हैं? नाम लिखें।

(घ) अन्त्य आहार किसे कहते हैं?

(ड़) नौ निवृत्तियों के उपरान्त वृद्ध गाथा में 'अवगाहिम' का क्या अर्थ कहा गया है?

(च) शुक्लध्यान की चार अनुप्रेक्षाओं में अंतिम दो अनुप्रेक्षा का वर्णन करें।

बंध–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) प्रत्येक कर्म स्कन्ध में कितने व कौन-कौन से गुण होते हैं?

(ज) अपवर्तना किसे कहते हैं?

(झ) ग्यारहवें गुणस्थान में कितने आश्रव होते हैं?

मोक्ष–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(ञ) स्वयंबुद्ध सिद्ध किसे कहते हैं?

(ट) पारंगत किसे कहते हैं?

(ठ) ऊंचे लोक में.....समुद्र में.....जलाशयों में.....नीचे लोक में..... जीव एक ही समय में सिद्ध हो सकते हैं।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) **निर्जरा–**

आश्रव, संवर और निर्जरा कौन-कौन से भाव हैं?

अथवा

निर्जरा को परिभाषित करें?

(ख) **बंध व मोक्ष–**

कर्म जीव को किस प्रकार पराधीन बनाता है?

अथवा

सिद्ध जीव की अवगाहना कितनी होती है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्व लिखें– 24

(क) **निर्जरा–**

स्वाध्याय तप के कितने प्रकार हैं?

अथवा

उदीरणा की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए लिखें कि क्या उदीरणा सभी कर्मों की संभव है?

(ख) **बंध व मोक्ष–**

प्रदेश बंध का विवेचन करें।

अथवा

सिद्ध के पन्द्रह भेदों का वर्णन करें?

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 18

(क) उपशम किसे कहते हैं?

(ख) क्या कर्म के उदय के बिना भी कर्म का बंध हो सकता है?

(ग) आत्म प्रदेश अधिक है या कर्म प्रदेश?

(घ) तपस्या कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ड़) क्या श्रेणी आरोहण के समय भावों की ही प्रधानता रहती है?

(च) अनशन किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

(छ) पांच ही भावों का कितने कर्मों से संबंध है?

(ज) काल करण किसे कहते हैं?

(झ) क्या फल प्राप्ति में द्रव्य क्षेत्र काल आदि की कोई भूमिका होती है?

(ञ) कर्मों का अस्तित्व कौन से गुणस्थान तक है?

(ट) एक भाव कहां होता है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 12

(क) कर्म के विपाकोदय में क्या कोई निमित्त भी कार्यकारी बनता है?

(ख) क्या शुभ अशुभ कर्म का बंध युगपत् होता है तथा शुभ कर्म को कैसे तोड़ा जा सकता है?

(ग) प्रायश्चित किसे कहते हैं, उसके कितने प्रकार हैं तथा विनय किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

(घ) सान्निपातिक के कितने भंग हो सकते हैं?

श्रावक संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) अम्बड़ सन्यासी राजगृह में प्रथम, द्वितीय व तृतीय दिन किस-किस दिशा के द्वार पर प्रसिद्ध सन्यासी बनकर उपस्थित हुआ, पर सुलसा श्राविका उसके पास नहीं गई?

(ख) जैनों की वंदना विधि का क्या नाम है और इससे किस ग्रंथि के स्त्राव नियंत्रित होते हैं?

(ग) धर्म के दो प्रकार कौन-कौन से हैं? उनका सम्बन्ध किस-किस के साथ है? धर्म संघ के साप्ताहिक बुलेटिन का नाम लिखें।

(घ) शोभजी श्रावक द्वारा रचित प्रसिद्ध अन्य तीन गीत कौन-कौन से हैं?

(ड़) आचार्य भिक्षु ने किस श्रावक को क्षायक सम्यक्त्व का धनी बताया? वे किस शहर व प्रान्त के रहने वाले थे? वे अपने किस मित्र के साथ रात्रि में आचार्य भिक्षु के पास गए थे?

(च) पुद्गल परावर्तन किसे कहते हें?

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) वह पद्य लिखें, जिसमें पाक्षिक प्रतिक्रमण श्रावक की चर्या होनी चाहिए।

(ख) संयुक्त परिवार प्रथा में जो टूट-फूट हो गई है–उस पद्य को लिखें।

(ग) भावी पीढ़ी के लिए सम्यक् दर्शन में सहयोगी–वाला पद्य लिखें।

(घ) जिसमें श्रावकों को अम्मा पिउ के समान कहा गया है–वह पद्य लिखें।

(ड़) श्रमणोपासक को अपनी चर्या खुद ही बोलनी चाहिए–वह पद्य लिखें।

(च) देखादेखी की वृति छोड़कर अपने विवेक बल से काम लें–वह पद्य लिखें।